नईदुनिया

23.07.2023

ए-प्लस ग्रेडिंग की उम्मीद, लौटी नैक की टीम

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में नैक ग्रेड के लिए आई नैक टीम तीन दिन तक मूल्यांकन करके अपनी रिपोर्ट फाइल कर वापस लौट गई। अंतिम दिन टीम के सदस्यों ने सुबह ज्ञान सरोवर देखकर वहां पर पौधारोपण में हिस्सा लिया। इसके बाद छात्रावास, अध्ययनशालाओं में जाकर उनकी उपलब्धियों का मूल्यांकन किया।

अधिकारियों ने बताया कि नैक टीम का रिस्पांस पाजिटिव समझ में आया है। विश्वविद्यालय प्रबंधन इस बार ए प्लस ग्रेडिंग की उम्मीद कर रहा है। तीन दिन तक टीम ने अपने मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया। नैक टीम के सदस्यों ने प्राध्यापक, कर्मचारी, छात्र, अभिभावक, भूतपूर्व छात्र सभी से मिलकर उनका भी फीडबैक लिया है। छात्रों से मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी जुटाई थी।

रविवि। ●फाइल फोटो

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की कमी है। इसी से नुकसान होने की आशंका है।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पर्याप्त नियमित स्टाफ होना चाहिए, जो विश्वविद्यालय के पास नहीं है। इसके अलावा शोध के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय पीछे है। हाल ही में विश्वविद्यालय प्रबंधन को शोध के लिए 10 करोड़ रुपये की ग्रांट मिली है, लेकिन इस ग्रांट को मूल्यांकन में शामिल नहीं किया गया है। इस आधार पर पांच साल में सिर्फ शोध के लिए विश्वविद्यालय को पांच करोड़ रुपये ही मिले हैं। इसके अलावा नैक टीम ने विश्वविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर को बहुत अच्छा बताया है।

पूरक परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन शुरू : पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की ओर पूरक परीक्षाओं के लिए 15 जुलाई से आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बीए, बीएससी, बीकाम, बीसीए, बीपीई जैसे पाठ्यक्रमों में पूरक आए छात्र-छात्राएं 31 जुलाई तक सामान्य शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं। एक से छह अगस्त तक 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

छह साल बाद नैक टीम ने किया मूल्यांकन

पं. रविशंकर विश्वविद्यालय का छह साल पहले 2016 में नैक मूल्यांकन हुआ था। उस समय विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिला था। विश्वविद्यालय की नैक ग्रेड 2020 में खत्म हो गया था, लेकिन कोरोना के कारण नैक मूल्यांकन नहीं हो पाया था। वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास कोई भी ग्रेड नहीं है। विश्वविद्यालय को कौन-सा ग्रेड मिलेगा, इसका निर्णय अगस्त में हो जाएगा। अच्छी नैक ग्रेडिंग के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन पिछले कई महीनों से तैयारियां कर रहा था। अपनी तैयारियों को परखने के लिए दो बार माकड्रिल भी करवाया था। नैक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग ए प्लस-प्लस हासिल करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर को बुलाकर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अपनी तैयारियों को परखा था। उनसे अच्छी ग्रेडिंग हासिल करने के लिए सुझाव भी लिए थे। उनके तरफ से मिले सुझावों के आधार पर ही अध्ययनशालाओं ने अपना प्रजेंटेशन तैयार किया था।

विचार-विमर्श

इंडिया रूरल कोलोक्वी में वक्ताओं ने ग्रामीण, गरीबी और असमानता की चुनौतियों पर की चर्चा

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना बड़ी चुनौती: पद्मिनी

रायपुर(नईदुनिया प्रतिनिधि)। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, राज्य सरकार और ट्रांसफार्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन की ओर से इंडिया रूरल कोलोक्वी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समाज, सरकार, बाजार नए गांव में विषय पर हुए संवाद में ग्रामीण, उद्यमी, समाजसेवी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रामीण विकास की मुख्य चुनौतियां गरीबी, असमानता जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया। छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इंडिया रूरल कोलोक्वी का ग्रामीण स्तर पर पहला कार्यक्रम हो रहा है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर योजना निर्माण के लिए वास्तविक और सही जानकारी मिलेगी।

इंडिया रूरल कोलोक्वि में ग्रामीण, गरीबी और असमानता की चुनौतियों पर चर्चा करते वक्ता। ● आयोजक

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की संचालिका पद्मिनी भोई ने समाज में महिलाओं की भूमिका और उसमें बदलाव पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए घरों से बाहर निकालना एक चुनौती है। यह काम सपोर्ट, मोटिवेशन और समूह चर्चा के माध्यम से किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में गोठान, रीपा, बिहान जैसी महिला केंद्रित योजनाओं से जुड़कर बड़ी संख्या में महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सच्चिदानंद शुक्ला ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि सरकार के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक बाजार के फायदे पहुंचाना इस कोलोक्वी का उद्देश्य है। आज की परिचर्चा के बाद निकले निष्कर्ष से पिछड़े वर्गों के लिए योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी।